सम्पूर्ण आजादी का दस्तावेज

डाईवर्सिटी

इयर बुक : 2017-18

संपादक : एच.एल. दुसाध

सह-संपादक : डॉ. कौलेश्वर प्रियदर्शी
डॉ. कविश कुमार

डाइवर्सिटी इयर-बुक : 2017-18

सम्पादक

एच. एल. दुसाध

सह-सम्पादक

डॉ. कौलेश्वर - डॉ. कविश कुमार

दुसाध प्रकाशन

लखनऊ

प्रथम संस्करण : 2017

ISBN : 978-81-87618-76-8

बहुजन डाइवर्सिटी मिशन के लिए
द्वारा
प्रकाशक : **दुसाध प्रकाशन**
डाइवर्सिटी हाउस, 2/1467,
आदिल नगर, कल्याणपुर, लखनऊ-226022
E-mail : hl.dusadh@gmail.com
मो. : 9654816191

प्रशासनिक कार्यालय
एफ-196, आया नगर एक्स, फेज-6, नई दिल्ली-110047,

© पुस्तक का कॉपीराइट संपादक और लेखों का व्यक्तिगत

मूल्य : 2500.00 रुपये

रचना	:	**डाइवर्सिटी इयर-बुक : 2017-18**
संपादक	:	एच.एल. दुसाध
आवरण	:	डॉ. लाल रत्नाकर
शब्दांकन	:	कम्प्यूटेक सिस्टम, शाहदरा, दिल्ली-32
मुद्रक	:	क्विक ऑफसेट, दिल्ली-94

समर्पित

नए दौर के राजेन्द्र यादव के रूप में आकार ले रहे
दुनिया के सबसे बड़े पशु-प्रेमी व सुपर स्टाइलिश लेखक
***फ्रैंक हुज़ूर** को*

अनुक्रम

अध्याय-1
नोटबंदी

उतावलेपन में बड़े नोटों का अचानक विमुद्रीकरण —डॉ. हनुमंत यादव 35
नोटबंदी या एक और विफल सर्जिकल स्ट्राइक —राजेंद्र शर्मा 38
मुद्रा अवैधता : अप्रत्याशित व आश्चर्यजनक —ललित सुरजन 42
विश्वनेता का स्वप्न : मुद्राहीन भारत —ललित सुरजन 46
दूसरी नजर : कैशलेस अर्थव्यवस्था की मरीचिका 50
अर्थनीति के कंधे पर राजनीति की बंदूक -राजकिशोर 53
और अंत में कालेधन के लिए एक और छूट —राजेंद्र शर्मा 56
कतारों पर काले धन का कब्जा —विभांशु दिव्याल 59
करेंसी संकट —उर्मिलेश 62
कालाधन : पस्त हुई जनता —प्रभाकर चौबे 64
किस मर्ज की दवा है नोटबंदी —राजेंद्र शर्मा 68
काले धन पर अब तक का सबसे बड़ा हमला —उपेन्द्र प्रसाद 71
काले धन की वापसी के नाम पर नोटबन्दी 74
काले धन का खात्मा किसके हित में —राजकिशोर 78
काली कमाई के कुछ ठिकाने —ललित सुरजन 81
केतकी गडकरी : एक हजार करोड़ रुपये में विवाह —रणधीर सिंह सुमन 85
छोटे उद्योगों पर प्रहार —डॉ. भरत झुनझुनवाला 87
जन विद्रोह की चेतावनी : नोटबंदी की समाप्ति चाहते हैं केजरीवाल व ममता 90
नोटबंदी और काले धन के विरुद्ध युद्ध का प्रहसन —राजेंद्र शर्मा 92
मैं मरूं या जीऊं पीएम मोदी को भारतीय राजनीति से
हटा दूंगी : ममता बनर्जी 95

नोटबंदी पर मोदी का फैसला मूर्खतापूर्ण, देश बर्बाद हो गया : राहुल गांधी 97
नोटबंदी विफल क्यों? —उपेन्द्र प्रसाद 99
नोटबंदी से मुद्रा संकुचन की स्थिति निर्मित —डॉ. हनुमंत यादव 102
नोटों के निरस्तीकरण के आगे —डॉ. भरत झुनझुनवाला 105
मोदी के मास्टर स्ट्रोक का एकमेव जवाब : सामाजिक न्याय की राजनीति का विस्तार —एच.एल.दुसाध 108
नोटबंदी के शोर में खो गया : एक क्रान्तिकारी फैसला —एच.एल.दुसाध 111
काले धन के विमर्श के भंवर से निकलने की जरुरत —एच.एल.दुसाध 115

अध्याय–1ए : नोटबंदी का उत्तरकाल

नोटबंदी से अकेले रिजर्व बैंक को इस साल तीस हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ लाखों लोग बेरोजगार हो गये... —अरुण माहेश्वरी 118
नोटबंदी : मोदी, क्या हुआ तेरा वादा? जानिए नोटबंदी पर मोदी के पाँच वादे, जो हो गए गलत साबित —हस्तक्षेप डेस्क 122
महंगी नोटबंदी काला धन निकालने में असफल —डॉ. हनुमंत यादव 124
नोटबंदी की खुल गई पोल —राजेंद्र शर्मा 127
आरबीआई की रपट आने के बाद : फेसबुक पर नोटबंदी 131

अध्याय-2

पांच राज्यों के चुनाव

अध्याय–2ए : चुनावी जंग में गायब सामाजिक न्याय का मुद्दा

फिर वही मंदिर —कुलदीप नैय्यर 137
मोदी सरकार फिर रामभरोसे —कल्याणी शंकर 140
उग्र हिंदुत्व के एजेंडे में फंसा हुआ दलित, पिछड़ा और मुसलमान —सुनील यादव 142
उप्र चुनाव : भाजपा का विघटनकारी एजेंडा 148
चुनाव घोषणापत्र या प्रलोभन पत्र —प्रभाकर चौबे 151
जब बीजेपी ने बनवाई यूपी में मुलायम की सरकार —दिलीप मंडल और अरविंद कुमार 155
जानिये, क्यों हो सकती है उत्तर प्रदेश में मायावती की वापसी?—संदीप पाण्डेय 159

मोदी-मुक्त भारत का सपना—एच.एल.दुसाध 162
यूपी वाले कैसे बचायेंगे देश!—एच.एल.दुसाध 166
डाइवर्सिटी क्रांति की जरुरत (नव वर्ष का संदेश)—एच.एल. दुसाध 170
चुनावी मौसम में डाइवर्सिटी को मुद्दा बनाने की जरुरत—एच.एल. दुसाध 174
लोकतंत्र की सलामती के लिए जरुरी है डाइवर्सिटी—एच. एल. दुसाध 178
बसपा के लिए मुक्त है : सामाजिक न्याय की
राजनीति का मैदान!—एच.एल.दुसाध 182
क्या बहुजन नेता ट्रंप से भी प्रेरणा लेंगे!—एच.एल.दुसाध 186
दलित-मुस्लिम एकता की ऐतिहासिक जरुरत—एच.एल.दुसाध 190
दलित-मुस्लिम एकता के लिए डॉ. आंबेडकर को अनुसरण
करने की जरुरत—एच.एल.दुसाध 194
विकास और बहुजन की असल तस्वीर —एच.एल. दुसाध 198
भाजपा के ज्यादा करीब : मायावती या कोई और! —एच.एल. दुसाध 202
भाजपा कैसे बन गयी अप्रतिरोध्य! —एच.एल. दुसाध 207

अध्याय–2बी : पाँच राज्यों के जनादेश

सवाल बसपा के भविष्य का है—अवधेश कुमार 211
मणिपुर समाधानों की तरफ —ज्ञानेंद्र बरतरिया 215
पंजाब के चुनाव से राष्ट्रीय महत्त्व के सबक मिले हैं —डॉ. प्रमोद कुमार 216
गोवा का फिर अपनी 'नियति' से साक्षात्कार! —अनिल जैन 220
उत्तराखंड : भाया मोदी का डबल इंजन -जय सिंह रावत 223
मैजिक या मीडिया मैडनैस? —ललित सुरजन 226
भावी राजनीति की दिशा —अरविन्द मोहन 230
कंग्रेस को जीत का फार्मूला खोजना होगा —कल्याणी शंकर 233
शाह मोदी का बेमिसाल राजनीतिक करिश्मा —हर्षवर्धन पांडे 235

अध्याय–2सी : यू.पी. का जनादेश

क्या यूपी का सीएम कोई दलित होगा! —एच.एल. दुसाध 238
क्या यूपी में दलित सीएम की भी सम्भावना है! —एच.एल.दुसाध 241
सुरक्षित सीटों पर भी प्रदर्शन दोहराया (भाजपा) —अजीत कुमार 243

भाजपा को खूब रास आया ओबीसी और दलित कार्ड —शोभित मिश्र 245
मुस्लिम बहुल सीटों पर जमकर बंटे वोट, खिला कमल 246
यूपी का जनादेश बदलेगा रास में सीटों का गणित —अजित खरे 248
जनाधार बढ़ाने को अब भाईचारा कमेटी पर फोकस 250
दोपहर में ही मिलने लगे थे संकेत —सतीश कुमार पांडेय 252
1998 में सबसे कम उम्र के सांसद बने थे योगी —गिरीश पांडेय 253
दूसरे सीएम पूरे करेंगे विकास के अधूरे काम 256
केशव प्रासद मौर्य : चाय की दुकान से डिप्टी सीएम तक का सफर 257
हर दिन ऊँचाई छूते गए डिप्टी सीएम—डॉ. दिनेश शर्मा 259
केसरिया हुजूम में मोदी 261
मोदी के कान में क्या कह गए मुलायम! 263
अपनों को तरजीह, बाहरियों को हल्के विभाग 264
मंत्रियों के जरिए 2019 साधने की पहल 266
भाजपा का लक्ष्य-सबको सुरक्षा, सबका विकास —संजय मिश्र 268
सुशासन के तार पीएमओ तक! 269
मोदी के नक्शे कदम पर चल रहे योगी —सुरेश बहादुर सिंह 271
भाजपा का भावी पथ 273
आस्था का सवाल 274
भाजपा की जीत का राज जानना चाहते हैं विदेशी —आनन्द राय 277
अध्याय–2डी : जनादेश पर बुद्धिजीवियों की राय
भाजपा ने तय किया 2019 का चुनावी एजेंडा —सुरेश बहादुर सिंह 279
मोदी का कद बढ़ा —राजनाथ सिंह सूर्य 281
जनता के चहेते नायक का प्रादुर्भाव —डॉ. राजू पाण्डेय 284
योगी संग मोदी की भी परीक्षा —डॉ. एके. वर्मा 288
योगी और उत्तर प्रदेश की चुनौतियां —निरंकार सिंह 290
एक योगी हजार सवाल —प्रदीप सिंह 294
नये भारत की दस्तक को पहचान —ललित गर्ग 297
मोदी राज की गरीब समर्थक छवि से मुकाबला जरूरी —दीपांकर भट्टाचार्य 300

जिम्मेदार तथाकथित धर्मनिरपेक्ष ताकतें —भगवान स्वरूप कटियार 303
अंदर ही अंदर संघ मोदी के विकल्प भी तैयार कर रहा है —विद्या भूषण रावत 306
यूपी में योगी राज के निहितार्थ —राजेंद्र शर्मा 311
आगे न जाने का होय —प्रभाकर चौबे 315
मायावती का दलित वोट बैंक क्यों खिसका? —एस. आर. दारापुरी 319
टूटा बसपाइयों के सब्र का बांध, मायावती के खिलाफ उठने लगे बगावत के सुर 324
मायावती की हार के कारण —कँवल भारती 327
सपा की हार के कारण —चन्द्रभूषण सिंह यादव 330
बसपा की दुर्दशा का कारण : कांशीराम के भागीदारी दर्शन से दूरी —एच. एल. दुसाध 336
कांशीरामवाद पर हेडगेवारवाद की जबरदस्त विजय —एच.एल.दुसाध 340
आंबेडकरवाद से विचलन का परिणाम —एच.एल. दुसाध 344
भीम आर्मी : स्थापित दलित नेतृत्व से निराशा का परिणाम -एच.एल.दुसाध 348

अध्याय–2ई : राम मंदिर या सामाजिक अन्याय-मुक्त भारत निर्माण!

जनम स्थान पर ही बने राम मंदिर —राजनाथ सिंह 'सूर्य' 352
प्रतीक्षा राम मंदिर निर्माण की —संजय गुप्त 356
गुलाम मानसिकता के निशान —बलबीर पुज 359
अयोध्या मामले का समाधान और सर्वोच्च न्यायालय —शीतला सिंह 362
ध्रुवीकरण का नया खतरा —कुलदीप नैयर 365
अयोध्या विवाद : इस सबक की रौशनी में बात हो तो बेहतर —कृष्ण प्रताप सिंह 368
सोशल इंजीनियरिंग के लिए इतिहास से छेड़छाड़ —राम पुनियानी 371
कुंठा का मवाद बह रहा है, इतिहास से बदला लिया जा रहा है—विनोद कुमार 374
उत्तर प्रदेश : ग्राम्शी के वर्चस्वता सिद्धांत की प्रयोग स्थली —एच.एल.दुसाध 377

भाजपा की शक्ति के स्रोत —एच.एल. दुसाध 381
सामाजिक अन्याय का शिकार : विश्व का विशालतम समाज —एच.एल.दुसाध 385
भारत की जरुरत : राम मंदिर या सामाजिक अन्यायमुक्त भारत निर्माण —एच.एल.दुसाध 394
जरूरी है सामाजिक अन्यायमुक्त भारत निर्माण! —एच.एल.दुसाध 398
सावधान! साधु-संत फिर सक्रिय हो रहे हैं! —एच.एल. दुसाध 404

अध्याय–2एफ : महागठबंधन की संभावना

क्या होगी विपक्ष की रणनीति? —कल्याणी शंकर 408
विपक्ष एका : सम्भावना और चुनौतियां कांग्रेस को स्वयं को फिर से खोजना होगा —अवधेश 411
काहे का गठबंधन, अभी तो गांठ-गांठ खुली —ज्ञानेंद्र बरतरिया 414
डगर कठिन विपक्षी एकता की —राजेन्द्र शर्मा 417
दक्षिण भारत : आधी-आधी हैं संभावनाएं —बी.शेखर 421
ममता रहेंगी यूपीए के साथ —अरुण महेश्वरी 424
महागठबंधन की शर्तें —सुधीर कुमार 426
शक्ति की करो मौलिक कल्पना —राजकिशोर 429
महागठबंधन की माया —हरिमोहन मिश्र 432
महागठबंधन का विकल्प —प्रो. सुधीर पंवार 435
समूचे विपक्ष की एकजुटता आज की जरूरत —प्रभात कुमार रॉय 438
यूपी में क्यों बिहार दोहराना मुश्किल है, जानिए 10 वजहें —शाहनवाज आलम 441

अध्याय–2जी : नीतीश की पलटी

अगुवाई के विकल्प मानिक, नवीन और वरुण! —अनिल चमड़िया 445
गलतियां गढ़ेंगी विकल्प —राजेन्द्र शर्मा 448
नीतीश कुमार का नट करतब —राजेंद्र शर्मा 451
बिहार में अनैतिकता का खुला खेल —एल.एस. हरदेनिया 455
मोहे राजपथ ही सुहाए —प्रभाकर चौबे 458

अध्याय-3

ट्रंप : अमेरिका के नये राष्ट्रपति

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव : विविधतावादी और विविधता विरोधी के बीच मुकाबला —एच.एल.दुसाध 465

पहली महिला राष्ट्रपति नहीं, सेक्सिस्ट राष्ट्रपति : अमेरिकी जनादेश 467

जानिए अमरीका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 469

ट्रंप और भारत 472

जीत और नियंत्रण अपेक्षाएं अमेरिका —अमरीश त्यागी 473

भारतीय हित और डोनाल्ड ट्रंप —अरविंद जयतिलक 476

ट्रंप की जीत —कुलदीप नैय्यर 479

अमरीकियों को भी होने लगी है ट्रंप की कट्टरपंथी टीम से चिंता —लोकमित्र गौतम 482

चिंता का विषय ट्रंप नहीं, अमेरिकी प्रभुवर्ग की सोच में आया बदलाव है —एच.एल.दुसाध 485

ओबामा का विदाई भाषण : भारत के लिए चेतावनी —एच.एल. दुसाध 489

अध्याय-4

फेसबुक पर दुसाध

थैंक्स मैडम रीता बहुगुणा! 493

मोदी के मिथ्यावादी चरित्र को एक्सपोज करतीं : मायावती 495

यश भारती पुरस्कारों में सामाजिक विविधता की फिर अनदेखी 496

व्यर्थ है ऐसी किसी संस्था द्वारा जांच की मांग उठाना, जिसमें सामाजिक और लैंगिक विविधता का प्रतिबिम्बन नहीं है! 498

प्राइमरी लेवल का आंदोलन 499

नौकरियों का ठेका, आरक्षण को ठेंगा 500

विमर्श की धारा डाइवर्सिटी की ओर मोड़ दो! 501

समय की मांग है : समाज परिवर्तनकामी संगठनों के मध्य एकता 502

डाइवर्सिटी के पीछे बहुतों का योगदान 503

नोटबंदी के मुकाबले के लिए 509

अब मूनलाइट लेगी : अमेरिकी प्रभुवर्ग के सामाजिक विवेक का टेस्ट 510

और अमेरिकी प्रभुवर्ग विवेक की परीक्षा में सफल हो गया! 513
तो वामपंथी भी चुनावी मैदान में हैं! 514
आर्थिक और सामाजिक गैर-बराबरी बने : सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा 515
नरेन्द्र मोदी से मुकाबला 516
अखिलेश-माया की ताकत 516
बसपा नेतृत्व की ऊर्जा 517
लम्बा खिंचता सपा का ड्रामा 517
यूपी वालों देश बचा लो! 518
सपा की जिम्मेवारियां! 519
मुलायम सिंह यादव का धोबियापाट! 519
फिर संघ का आरक्षण विरोधी बयान! 519
अखिलेश यादव बनायेंगे यूपी को अमेरिका! 521
भाजपा को चुनौती देने में सक्षम : सिर्फ बसपा 522
क्या इस चुनावी मौसम में भारत के जातिवादी नेता ओबामा की भांति डाइवर्सिटी को सम्मान देंगे! 522
अपने लड़के बनाम बाहरी! 522
लैंगिक विविधता से निर्लिप्त : हमारे राजनीतिक दल 523
संघ के रग-रग में है : सामाजिक न्याय विरोधी भावना 524
यूपी के लोग अगर भाजपा से देश को बचाना चाहते हैं तो! 525
तो सवर्णवादी भाजपा इसलिए कामयाब और बहुजन नेतृत्व व्यर्थ है! 525
क्या अखिलेश यादव ने मायावती जी के लिए मुक्त कर दिया है : सामाजिक न्याय की राजनीति का मैदान! 527
बसपा तीसरे स्थान पर रहेगी! 528
अपर्णा यादव के आरक्षण विरोधी बयान पर बसपा निर्लिप्त क्यों! 529
सुरक्षा नहीं, शक्ति के स्रोतों में भागीदारी की रणनीति बनाये : मुस्लिम समुदाय 530
सवर्णवादी भाजपा के विनाश के लिए : बसपा पर ही कर सकते हैं भरोसा 531

दलित-मुस्लिम एकता की जरुरत का अहसास कराती : एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट 532
मुस्लिम विरोधी दल! 533
तो इसलिए पिछड़ी जाति के नेता आरक्षण की बात नहीं करते! 533
अखिलेश का बॉडी लांगुएज 534
चुनावी मुद्दे के रूप में विकास का इतिहास 535
यू.पी. में विकास का शोर! 535
विकास : भाजपा का मुखौटा 536
विकास से वंचित : बहुजन समाज 537
विकास : नई सदी में बहुजनों के खिलाफ सबसे बड़ी साजिश 537
यदि आप सामाजिक न्यायवादी हैं तो विकासवादी अखिलेश यादव को रोकिये! 537
भीखनुमा घोषणाओं के सहारे मूलनिवासियों का वोट हथियाने की चल रही है साजिश! 538
बसपा को छोड़कर अन्य दलों का समर्थन कैसे कर सकते हैं! 539
धर्मनिरपेक्षतावादी विद्वान मित्रों, दिलीप मंडल, अरविन्द कुमार, चांद कुमार मनीष की चुनौती कबूल करें! 539
सिर्फ बसपा समर्थक ही जातिवादी नहीं होते, बाकी सभी.. 541
भाजपा के ज्यादा करीब : मायावती या कोई और!-1 541
भाजपा के ज्यादा करीब : मायावती या कोई और!-2 542
भाजपा के ज्यादा करीब : मायावती या कोई और!-3 543
क्या 'पत्थरोंवाली सरकार' का शोर मचाने वाले भाजपा के मित्र नहीं लगते! 544
धर्मभीरु जय श्रीकृष्णवादी बनाम धर्म के ठेकेदार जय श्रीरामवादी! 544
बीएसपी : शंका और समाधान! 546
बसपा को ही क्यों वोट दें-1 547
बसपा को ही क्यों वोट दें-2 548
बसपा को ही क्यों वोट दें-3 550
बसपा को ही क्यों वोट दें-4 551

बसपा को ही क्यों वोट दें-5 552
बसपा को ही क्यों वोट दें-6 554
बसपा को ही क्यों वोट दें-7 555
बसपा को ही वोट क्यों दें-8 556
बसपा को ही वोट क्यों दें-9 557
यूपी चुनाव में क्यों गायब है : सामाजिक न्याय का मुद्दा! 557
ओबामा बनने के चक्कर में मारे गए : बहुजन नायक-नायिका ! 558
बहुजन हितों की इकतरफा हिमायत कर सत्ता दखल करने वाले : दो नेता 559
सावधान! बहन जी आ रही हैं— 560
सोहो : लॉस बेगास जैसी लाइफ स्टाइल के लिए प्रेरित करती एक पुस्तक 560
मोस्ट स्टाईलिश बहुजन थिंकर कौन! 561
यूपी चुनाव परिणाम की घोषणा शुरू होने के आधे घंटे पहले से जारी मेरे पोस्ट 564
क्या नोटबंदी से सचमुच अर्थव्यवस्था पर बुरा असर नहीं पड़ा! 567
मुझे आज भी एक विशुद्ध मोक्षकामी की तलाश है! 572
बनारस के बाद लखनऊ? 574
बनारस और उसके निकटवर्ती जिलों के बहुजन मित्रों! 576
जीरो के बावजूद मोदी हीरो बने रहेंगे, क्योंकि... 584
नीतीश कुमार का अंदाज पसंद आया 585
बरकरार है भाषाई विविधता में शत्रुता का बोलबाला! 585
कृषि का कारुणिक भविष्य 586
आडवाणी को राष्ट्रपति का कैंडिडेट बनाने के बंधुवर shrinivas shankar ray के सुझाव पर मेरा कमेन्ट 586
दैविक गुलाम बहुजनों की भक्ति के पीछे क्रियाशील लालच का सदव्यवहार करें! 587
दुनिया का सबसे बड़ा ईश्वर विरोध कौमःभारत के ब्राह्मण! 587
ईश्वर-विरोधी ब्राह्मणों के हजारों साल के जघन्यतम अपराध का दंड सुझाएँ! 588
बृजमोहन प्रसाद : मेरे पिता, मेरे हीरो! 589
5 हिन्दू हीरो! 593

भारत जैसे जातिवादी देश में अपने विषय में न सिर्फ बतलाना बल्कि दाम्भिक घोषणा तक भी करना जरुरी है! 594
बहुजन भारत और दलित मुक्ति का एकमेव उपाय : डाइवर्सिटी 595
दलित पैंथर : दलित आन्दोलन की हिस्ट्री का शानदार अध्याय 596
ONGC बेचने वालों को गिलोटिन पर लटकाने का मन बनायें : राष्ट्रवादी नहीं, सच्चे देश भक्त 598
जाति चेतना के राजनीतिकरण का कमाल! 598
ताकि ऑस्कर में नस्लीय विविधता का सही प्रतिबिम्बन हो सके! 599

अध्याय-5

विविध भारत

अध्याय–5ए : दलित राष्ट्रपति

तो सचमुच आडवाणी हिंदुत्व की राजनीति के विवेकानंद ही साबित हुए! 603
दलित कब सुविधाजनक लगते हैं 605
रामनाथ कोविंद बनाम मीरा कुमार –कृष्ण प्रताप सिंह 607
हिन्दुत्व के रंगमंच पर दलित कठपुतली –नरेंद्र कुमार आर्य 610
रामनाथ कोविंद जी के नाम शम्सुल इस्लाम का खुला पत्र 615
विपक्ष का 'मीरा स्ट्रोक' : क्या है मोदी, नीतीश और मायावती की परेशानी –अमलेन्दु उपाध्याय 621
राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव क्यों? –राजेंद्र शर्मा 624
कोविन्द, दलित राजनीति और हिन्दू राष्ट्रवाद : आरएसएस की राजनीति भारतीय राष्ट्रवाद की विरोधी है –राम पुनियानी 628
फेसबुक पर राय 631
दलित राष्ट्रपति : मोदी की एक और सोशल इंजीनियरिंग –एच.एल.दुसाध 634

अध्याय–5बी : तीन तलाक

एक ही तलाक क्या काफी नहीं है –राजकिशोर 638
तीन तलाक का अभिशाप –कुलदीप नैय्यर 641
समान नागरिक संहिता : क्या युधिष्ठिर लौटेंगे? –चिन्मय मिश्र 644
जिनकी फरियाद पर बदली तारीख 648

धर्म की जिद : शाहबानो से शायरा बानो —राजीव रंजन श्रीवास्तव 651
सुप्रीम कोर्ट का फैसला : तीन तलाक, कौन हलाक? —वीरेन्द्र जैन 654
मुसलमान औरत, शरीअत के ठेकेदार और सुप्रीम कोर्ट —शम्सुल इस्लाम 657
संघ ने तो हिन्दू कोड बिल पर नेहरू और डॉ. अम्बेडकर के विरूद्ध जहरीला प्रचार किया था —एल.एस. हरदेनिया 660
जमीनी सूरत भी बदले —फैजान मुस्तफा 665

अध्याय–5सी : जीएसटी

कई सालों के सफर के बाद जीएसटी पहुंचा मुकाम पर 668
रचा गया इतिहास —आलोक पुराणिक 671
आशा-निराशाओं भरा रहा सफर ज्यादा —पी.चिंदम्बरम 674
जीएसटी : संघीय ढाँचे पर प्रहार? —ललित सुरजन 677
क्या है GST का पूरा इतिहास, आखिर क्यों हो रहा है इसका विरोध 681

अध्याय–5डी : मायावती का राज्यसभा से इस्तीफा

नजरिया : उंगली काटकर शहीद बनना चाहती हैं मायावती —कँवल भारती 684
मायावती का बड़ा दांव 687
मायावती की आवाज दबाने वाली भगवा ब्रिगेड : संसद में लोकतंत्र की मॉब लिंचिंग —महेश राठी 689

अध्याय–5ई : न्यू इंडिया

मोदी का नया भारत : कितना नया, कितना पुराना और कितना जुमला —राजेंद्र शर्मा 691
न्यू इंडिया बनाम नया भारत —चिन्मय मिश्र 694
भारत : दोऊ पाटन के बीच —प्रभाकर चौबे 697

अध्याय–5एफ : लालू का भ्रष्टाचार

लालू का भ्रष्टाचार —बाबा विजेयन्द्र 701
क्या लालू मोदीराज के खात्मे के प्रति गंभीर हैं! —एच.एल.दुसाध 705

अध्याय–5जी : सर्जिकल स्ट्राइक

इन नीतियों के साथ गरीबी से कैसे लड़ेंगे —प्रभाकर चौबे 709
युद्ध की बात करने वाले देशद्रोही हैं —संदीप पाण्डेय 713

आज जिनके लिए इजराइल ही आदर्श है —पुष्परंजन 716
लक्ष्यवेध पर वितंडा जारी है —ललित सुरजन 720
छाती ठोंकने से छाती पीटने तक —चिन्मय मिश्र 723
युद्ध बेचने वाला मीडिया —प्रभाकर चौबे 727
लक्ष्यवेध पर संदेह क्यों? —ललित सुरजन 731

अध्याय–5एच : अगस्त क्रांति का 75 साल

आर्थिक गैर-बराबरी मिटाना बने पहला संकल्प —उपेन्द्र प्रसाद 734
साम्प्रदायिकता उन्मूलन का तरीका अगस्त क्रांति में —राम पुनियानी 737
गरीबी के संदर्भ अब दूसरे हैं —आलोक पुराणिक 740

अध्याय–5आई : ओबीसी रिजर्वेशन का वर्गीकरण

मोदी सरकार ने आर्थिक आधार पर आरक्षण का लाभ देने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाया है —नवनीत मिश्र 743
90 फीसदी सरकारी नौकरियाँ हजम कर आरक्षण 'बाँटने' चली मोदी सरकार! 744
आरक्षण की राजनीति और चुनावी एजेंडा —शेष नारायण सिंह 746
सामाजिक न्याय या राजनीति का एक नया दौर? -उपेन्द्र प्रसाद 749
आरक्षण : ओबीसी के कोटे के भीतर कोटा —प्रमोद भार्गव 753

अध्याय–5जे : बेरोजगारी

क्यों घटती नौकरियों का जवाब बेसिक इनकम है —रवीश कुमार 756
खुशहाली की गारंटी नहीं आर्थिक विकास —एनके सिंह 760
मानव विकास रिपोर्ट में भारत की थोड़ी फिसलन 763
2019 में चुनाव मोदी बनाम बेरोजगार होगा —प्रवीण शुक्ल 767
कॉरपोरेट को 'गूँगे गुलामों' का गिफ्ट! श्रम कानून का खून करने में जुटी मोदी सरकार! 770

अध्याय–5के : शिक्षा

शिक्षा पर फिर बात —प्रभाकर चौबे 773
प्रोफेसरों की ठेके पर नियुक्ति उचित —डॉ. भरत झुनझुनवाला 776
यूजीसी का नोटिफिकेशन 2016 : भारत को पुनः मध्य युग में ले जाने की साजिश 779

क्या है आरएसएस का शिक्षा एजेंडा? —राम पुनियानी 781
कितने सुरक्षित हैं : कल के रोहित वेमुला -एच.एल.दुसाध 784
शिक्षा जगत में भेदभाव के खात्मे का एकमेव उपाय :
एजुकेशन डाइवर्सिटी—एच.एल.दुसाध 788

अध्याय–5एल : पुरस्कारों में भ्रष्टाचार

पुरस्कारों में वंचितों की उपेक्षा और प्रभु वर्ग का विवेक —एच.एल.दुसाध 802
चयन समितियों में विविधता की जरूरत —एच एल दुसाध 808
पुरस्कारों में भ्रष्टाचार —एच.एल. दुसाध 813
यश भारती के सम्बन्ध में एक अनुरोध अपने लोकप्रिय मुख्यमंत्री
श्री अखिलेश यादव जी से..... —चन्द्र भूषण सिंह यादव 815
पुरस्कारों में भ्रष्टाचार : केंद्र हो या राज्य सरकार -एच.एल.दुसाध 818
ऑस्कर में विविधता की फिर धूम —एच.एल.दुसाध 823

अध्याय–5एम : अन्य

बस सुनो, गुनो नहीं —प्रभाकर चौबे 823
दोराहे पर खड़ी पत्रकारिता —चिन्मय मिश्र 831
मानवाधिकार दिवस : दूसरे का दर्द अपनाइए —चिन्मय मिश्र 835
मयखानों में मचती खलबली —चिन्यम मिश्र 838
स्मार्ट सिटी : शहर और सपना —ललित सुरजन 841
मैं आरक्षण हूँ —उदय चे 845
भाजपा के आंबेडकर प्रेम का सच —एस.आर. दारापुरी 850
भयानक पाखंड काल —प्रभाकर चौबे 855
मोदी से साठ सवाल! —कृष्ण प्रताप सिंह 859
मुसलमान, भाजपा और कानून मंत्री : 'कुछ' ढ़कने की
कोशिश में 'सब कुछ' उघाड़ना है यह! —कृष्ण प्रताप सिंह 861
राजनीति में जुमला समय —विकास नारायन राय 864
नीदरलैंड से सारी दुनिया को उम्मीद भरा संदेश —भगवान स्वरूप कटियार 868
आईसीयू में हिन्दुत्व —भारत झुनझुनवाला 871
कृषि क्यों मांग रही बलिदान —चिन्मय मिश्र 874

एअर इंडिया जैसे सरकारी उपक्रमों को बेचकर लाएंगे अच्छे दिन, मगर आएंगे नहीं 878
याद आएगी जनपथ की आवभगत, 50 साल बाद बंद होने जा रहा होटल 879
अपेक्षित विकास किस दिशा में? —प्रभाकर चौबे 883
संविधान दिवस और मोदी —एच.एल.दुसाध 887
पुस्तक सप्लाई में दलित जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप की जरुरत —एच.एल. दुसाध 891
वेलेंटाइन डे को क्यों बढ़ावा दे बहुजन समाज! —एच. एल. दुसाध 895
विनिवेश : अब सरकारी उपक्रमों को और तेजी से निजी क्षेत्र के हाथों में जाना है —एच.एल.दुसाध 898
रामस्वरूप वर्मा : उत्तर भारत के आंबेडकर —एच.एल.दुसाध 902
उपभोग के साधनों पर अधिकार जमाने से निर्लिप्त : आंबेडकरवादी —एच. एल. दुसाध 905
निजी क्षेत्र में आरक्षण की बेहतर लड़ाई डॉ. उदितराज ही लड़ सकते हैं —एच. एल. दुसाध 909
हम सरकार पर दबाव बनाने की शक्ति कहाँ से पाएंगे : डॉ. उदित राज —एच. एल. दुसाध 912
क्या शरद यादव जेपी की भूमिका में आयेंगे —एच. एल. दुसाध 915

अध्याय-6

साक्षात्कार

अध्याय–6 : साक्षात्कार
साक्षात्कार की प्रश्नावली 921
प्रश्नोत्तर 933
डॉ. विजय कुमार त्रिशरण 933
हरिप्रसाद चौधरी 942
सतेन्द्र 950
हरिशंकर शाही 958
संजीव चंदन 961
सोबरन कबीर 962

Continue Your Reading Journey

This preview has ended. Access the complete library and support our mission.

Join Our Inclusive Reading Community

✓ We champion diverse voices and perspectives

✓ Your support helps amplify underrepresented authors

✓ We provide free access to educational institutions

✓ Building bridges through shared stories

✓ Creating space for all narratives to be heard

Support Our Mission

Your donation enables us to:

• Curate diverse book collections

• Support authors from marginalized communities

• Provide free resources to educators

• Maintain our accessible digital library

Visit: www.diversitymission.in

Sign the diversity pledge • Make a donation • Download full library